हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
26 जनवरी 2026, बरेली

PAGE NO 9 : MIDDLE

अफवाह, दिखावे और झूठ से बचने का संदेश देता है नाटक

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को शंकर शेष लिखित हास्य व्यंग्य पर आधारित नाटक तिल का ताड़ का मंचन हुआ। विनायक कुमार श्रीवास्तव निर्देशित तिल का ताड़ समाज में व्याप्त उस प्रवृत्ति पर सशक्त व्यंग्य है, जहां छोटी-सी बात को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है। नाटक दिखाता है कि कैसे अफवाहें, अतिश्योक्ति और अहंकार व्यक्तिगत संबंधों से लेकर सामाजिक ढांचे तक को प्रभावित करता है।

रिद्धिमा में शंकर शेष लिखित नाटक तिल का ताड़ का एक दृश्य।

नाटक के निर्देशक विनायक ने मूल कथ्य को बनाए रखते हुए उसे समकालीन संदर्भों से जोड़ा है। नाटक में प्राणनाथ का किरदार पंकज कुकरेती, मंजू का शाहजीन खान, पतित पावन का अंशुल चौहान, ब्रह्मचारी कि शिवम यादव, धन्नामल का मनोज शर्मा, बनारसी दास का राजकिशोर पाठक, अजय का गौरव कार्की, गयाप्रसाद का किरदार नाटक के निर्देशक विनायक श्रीवास्तव ने निभाया। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चैयरमेन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. आशीष कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।